(d) if so, the reasons therefor and the steps Government propose to take to end this discrimination ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY, DEPARTMENT OF ELECTRONICS AND DEPARTMENT OF OCEAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. R. KUMARAMANGALAM) : (a) Based on the estimates prepared in the National Technical Manpower Information System (NTMIS), being funded by Ministry of Human Resource Development & being implemented by Institute of Applied Manpower Research (IAMR), the number of women engineers has risen approximately 8.5 times during the past 15 years.

(b) The number of women engineers in the country at the beginning of the year 1992 has been estimated at about 90,500 by the National Technical Manpower Information System, Institute of Applied Manpower Research.

(c) and (d) No discrimination is being made on the basis of sex for employing engineers.

विज्ञान और प्रौद्योगिक मंत्रालय के लिए किए गए बजट आवंटन में कमी किया जाना :

1791. श्री विश्वास राव रामराव पाटिल: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के लिए किए गए बजट आवंटन को कम किया जा रहा है,

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं,

(ग) क्या यह सच है कि इसका अनुसंधान और विकास कार्यकलापों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा,

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार अनुसंधान और विकास कार्य में तेजी लाने के लिए कोई प्रावधान करने जा रही है,

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

विज्ञान और प्रौद्योगिक मंत्रालय इलेक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री :
(श्री रंगराजन कुमार मंगलम)

(क) जी नहीं ।

(ख) से (च) प्रश्न नहीं उठते ।

भौतिक, रसायन विज्ञान और जीव-विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा किए गए अनुसंधान का योगदान :

1792. चौधरी हरि सिंह :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अधीन चल रही अनुसंधान प्रयोगशालाओं और केन्द्रों तथा उनमें कार्यरत वैज्ञानिकों और अन्य कर्मचारियों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा उन पर व्यय की गई कुल धनराशि और उसकी अपनी परिसम्पत्तियों पर किया गया कुल निवेश कितना है;

(ग) उन उद्योगों और उनके उत्पादों का ब्यौरा क्या है जहां अभी तक वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, इंजीनियरी, औषधि, सूचना विज्ञान आदि क्षेत्रों की उपलब्धियों का उपयोग किया गया है;

(घ) अब तक प्रकाशित शोध-पत्रों का ब्यौरा क्या है और इनमें से कितने शोध-

पत्रों को अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में स्थान मिला है ;

(ङ) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की प्रयोगशालाओं और केन्द्रों को संबंधित मंत्रालयों अथवा विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ सम्बद्ध करने के सुझावों पर कब विचार किया गया था और उसके परिणामों का ब्यौरा क्या है; और

(च) अनुसंधान प्रयोगशालाओं/केन्द्रों को कतिपय संस्थाओं उद्योगों और विश्वविद्यालयों के अनुसंधान और विकास खंडों से सम्बद्ध करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रंगराजन कुमार मंगलम्) :

(क) अनुसंधान प्रयोगशालाओं/ केन्द्रों का ब्यौरा विवरण 1 में दिया गया है। (नीचे देखिये)। वैज्ञानिकों तथा अन्य कर्मचारियों का ब्यौरा निम्नांकित है :

(i)	वैज्ञानिक :	6100 (लगभग)
(ii)	अन्य तकनीकी कर्मचारी	13000 (लगभग)
(iii)	प्रशासनिक एवं अन्य कर्मचारी	6300 (लगभग)

(ख) प्रथम योजना के समय से 1991-92 तक राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और केन्द्रीय कार्यालय पर खर्च की गई कुल राशि 2521.480 करोड़ रुपये है। 31-3-1992 तक 694.996 करोड़ रुपए की नियत परिसम्पत्तियां संचित की गई।

(ग) अब तक सी० एस० आई० आर० प्रयोगशालाओं से 1800 से अधिक प्रक्रमों/तकनीकी जानकारियों का लाइसेंस उद्योगों को दिया गया जिनमें से लगभग 45% का वाणिज्यिक तौर पर उपयोग किया गया। उपयोग द्वारा उपयोग की गई सीएसआइआर की कुछ महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी का ब्यौरा अनुपत्र में दिया गया है (देखिये परिशिष्ट 165, अनुपत्र सं० 347)

(घ) सी० एस० आई० आर० अपनी एक सहायक यूनिट-प्रकाशन एवं सूचना निदेशालय के माध्यम से एक एक्सटेंडिंग जनरल, इन-हाउस आर एण्ड डी० (अनुसंधान एवं विकास) समाचार पत्रों, तीन लोकप्रिय वैज्ञानिक पत्रिकाओं आदि के अतिरिक्त 11 मूल अनुसंधान पत्रिकाएं प्रकाशित करता है। इन 11 पत्रिकाओं में से 10 पत्रिकाओं का उल्लेख अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्राप्त पत्रिकाओं में बार-बार किया जाता है और साथ ही कई अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित डाटा-बेस में व्यापक रूप से इन्हें सम्मिलित किया जाता है।

(ङ) और (च) केन्द्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार, सी० एस० आई० आर० सोसाइटी की 23 नवम्बर, 1977 को सम्पन्न हुई बैठक में सी० एस० आई० आर० की चार प्रयोगशालाओं- केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की, केन्द्रीय ईंधन अनुसंधान संस्थान, धनबाद और भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून को प्रयोगात्मक तौर पर संबंधित सरकारी मंत्रालयों/विभागों में 1-4-1978 से हस्तान्तरित करने का निर्णय लिया गया। तथापि, सी० एस० आई० आर० सोसाइटी की 15 दिसम्बर, 1980 को सम्पन्न हुई बैठक में केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णय पर विचार करने के बाद इन प्रयोगशालाओं को पुनः सी० एस० आई० आर० के अधीन कर दिया गया। यह पुनः हस्तान्तरण इस तथ्य पर आधारित था कि विज्ञान और तकनीकी गतिविधियां स्वायत्त निकाय में ही अधिक प्रभावशाली ढंग से कार्य कर सकती हैं।

सी० एस० आई० आर० के अध्यक्ष की हैसियत से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 1986 में गठित सी० एस० आई० आर० पुनरीक्षण (समीक्षा) समिति ने भी सी० एस० आई० आर० की कुछ प्रयोगशालाओं को संबंधित वैज्ञानिक विभागों को हस्तान्तरित करने की सिफारिश की। सी० एस० आई० आर० सोसाइटी ने इन प्रयोगशालाओं को सी० एस० आई०आर० प्रणाली के ही अन्तर्गत रखने का निर्णय किया और एक संशोधित संगठनात्मक ढांचे की सिफारिश की जिसमें सी० एस० आई० आर० और इसकी प्रयोगशालाओं के विभिन्न निर्णयकारी निकायों से संबंधित वैज्ञानिक विभागों/एजेंसियों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो ताकि उपयुक्त समन्वय और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने में संबंधित प्रयोगशालाओं के अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना बनाने, गठन करने और अनुवीक्षण करने मे उनका भी योगदान हो सके।

विवरण—I

परिषद के प्रतिष्ठान

भौतिक एवं भू-विज्ञान समूह

राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली	(एन पी एल)
केन्द्रीय इलेक्ट्रानिक इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान, पिलानी	(सी ई ई आर आई)
केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, चण्डीगढ़	(सी एस आई ओ)
राष्ट्रीय भू-भौतिक अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	(एन जी आर आई)
राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, दोना पाला, गोवा	(एन आई ओ)

रासायनिक विज्ञान समूह

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे	(एन सी एल)
केन्द्रीय विद्युत् रसायन अनुसंधान संस्थान, कारैकुड़ी	(सी ई सी आर आई)
केन्द्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भाव नगर	(सी एस एम सी आर आई)
भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद	(आई आई सी टी)
क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जोरहाट	(आर आर एल-जोरहाट
भारतीय पट्रोलियम संस्थान, देहरादून	(आई आई पी)
केन्द्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान, मद्रास	(सी एल आर आई)
केन्द्रीय ईंधन अनुसंधान संस्थान, जियालगोड़ा	(सी एफ आर आई)

जैव विज्ञान समूह

केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर	(सी एफ टी आर आई)
केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	(सी डी आर आई)
राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	(एन बी आर आई)
भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान, कलकत्ता	(आई आई सी बी)
केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ	(सी आई एम ए पी)
औद्योगिक विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	(आई टी आर सी)

कोशकीय एवं अणु जीव विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद (सी सी एम बी)
क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जम्मू (आर आर एल–जम्मू)
सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़ (इम्टैक)
सी एन आई आर कम्पलेक्स पालमपुर हिमाचल प्रदेश (सीएसआईआर कांपलेक्स पालमपुर)
सी एस आई आर जैव रसायन केन्द्र, दिल्ली (सी एफ बी)

इंजीनियरी विज्ञान समूह

केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की (सी बी आर आई)
केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (सी आर आर आई)
केन्द्रीय कांच तथा सिरैमिक अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता (सी जी सी आर आई)
राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, जमशेदपुर (एम एम एल)
केन्द्रीय खनन अनुसंधान केन्द्र, धनबाद (सी एम आर एस)
केन्द्रीय यांत्रिकी इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुर (सी एम ई आर आई)
राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान, नागपुर (एन ई ई आर आई)
राष्ट्रीय वैमानिक प्रयोगशाला, बंगलूर (एन ए एल)
संरचना इंजीनियरी अनुसंधान केन्द्र, मद्रास (एस ई आर सी–मद्रास)
संरचना इंजीनियरी अनुसंधान केन्द्र, गाजियाबाद (एस ई आरसी–गाजियाबाद)
क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, भुवनेश्वर (आर आर एल–भुवनेश्वर)
क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, त्रिवेन्द्रम (आर आर एल–त्रिवेन्द्रम)
क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, भोपाल (आर आर एल–भोपाल)

सूचना विज्ञान समूह

प्रकाशन एवं सूचना निदेशालय, नई दिल्ली (पी आई डी)
भारतीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रलेख पोषण केन्द्र, नई दिल्ली (इन्डाक)
राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली (निस्टैड्स)

R and D Investment in India

1793. SHRI DEBABRATA BISWAS : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that investment in Research and Development is lower in India as compared to developed and developing countries;

(b) if so, what steps Government have taken to improve the situation; and

(c) the comparative figures in respect of per capita expenditure on R & D in the developing and developed countries ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY, DEPARTMENT OF ELECTRONICS AND DEPARTMENT OF OCEAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTRY AFFAIRS (SHRI P. R. KUMARAMANGALAM) : (a) and (b) Per Capita Research and Development Expenditure in India is low as compared to that of the developed countries, but is higher than what is the case for some of the developing countries. The Research and Development Expenditure in India has been increasing from year to year.